प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी रायपुर (छत्तीसगढ़)

19.05 बुधवार **दिनांक 22.05.2024**

><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>

मुख्य समाचारः–

1– माओवादियों की पुनर्वास नीति में सुझाव के लिए राज्य सरकार ने जारी किया मेल आईडी और गूगल फॉर्म।

2– छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कबीरधाम जिले में दो दिन पहले हुए सड़क हादसे में उन्नीस आदिवासियों की मौत के मामले को संज्ञान में लिया।

3– आरटीई में ड्राप आउट करने वाले बच्चों का राज्य सरकार कराएगी सर्वे।

4– अगले चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश में एक–दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना–रायपुर सहित कई जिलों में आज बदला मौसम का मिजाज–तेज हवाओं के साथ हुई बारिश।

पुनर्वास नीति–गूगल फॉर्म

माओवादी घटनाओं पर लगाम लगाने और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य कराने राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पुनर्वास नीति भी चलाई जा रही है। इसी संदर्भ में राज्य सरकार की ओर से एक मेल आईडी और गूगल फॉर्म जारी किया गया है। इस फॉर्म के जरिये उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने माओवादियों से अनुरोध किया है कि वे बताएं कि उनकी पुनर्वास नीति में क्या प्रावधान होने चाहिए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पिछले कुछ दिनों में बस्तर संभाग में बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

कवर्धा हादसा–हाईकोर्ट

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव में दो दिन पहले हुए सड़क हादसे में उन्नीस आदिवासियों की मौत के मामले को संज्ञान में लिया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने इसे जनहित याचिका मानकर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इस मामले की सुनवाई चौबीस मई को होगी।

इस बीच, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मृतकों के परिजनों से फोन पर बात अपनी शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

वहीं, मृतकों के परिजनों से भेंट करने के लिए कांग्रेस ने नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है। इसका संयोजक डोंगरगांव विधायक दुलेश्वर साहू को बनाया गया है। इसी सप्ताह नेताओं का दल मृतकों के परिजनों से गांव जाकर मुलाकात करेगा।

दुर्घटना

प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान हुए अलग–अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, चार अन्य लोग घायल हो गए हैं।

भिलाई के अहिवारा में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक दंपत्ति को ट्रैक्टर ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसके पति की हालत गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक एक ट्रैक्टर में दो ट्रॉली लगाकर ले जा रहा था, तभी एक ट्राली खुल गई और पति–पत्नी उसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर नंदिनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं, खैरागढ़–छुईखदान–गंडई जिले के सोनेसरा वार्ड में सुबह टहलने के लिए निकले एक बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जांजगीर–चांपा जिले के भिलाई गांव में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह युवक कोरबा जिले के धतूरा गांव का रहने वाला था।

इधर, बलरामपुर जिले के दलधोवा गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक–तीन सौ तैंतालीस पर ट्रक और पिकअप वाहन के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में पिकअप में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलने पर हाईवे पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।

नीट परीक्षा–हाईकोर्ट

राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा–नीट के प्रश्न पत्रों का गलत सेट वितरित किए जाने के मामले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी–एनटीए से जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई चौबीस मई को होगी।

गौरतलब है कि नीट की परीक्षा के लिए देशभर सहित बालोद जिले के एक स्कूल में भी परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। परीक्षा के दिन दोपहर दो बजे प्रश्न पत्रों का पहला सेट वितरित किया गया था, जो सही नहीं था। केंद्र को जब अपनी गलती का एहसास हुआ कि गलत प्रश्न पत्र वितरित किया गया है, तो चालीस–पचास मिनट बाद प्रश्न पत्रों का एक और सेट फिर से वितरित किया। प्रश्न पत्र के दूसरे सेट में ओएमआर शीट का एक अलग सेट जुड़ा हुआ था, जिसे उम्मीदवारों को दोबारा भरना था, जिसमें उनका समय बर्बाद हो गया। वहीं, परीक्षार्थियों को अतिरिक्त समय भी नहीं दिया गया।

जवान–घायल

नारायणपुर जिले में दुर्घटनावश गोली चलने से भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल–आईटीबीपी का एक जवान घायल हो गया है। जवान की हालत नाजुक होने की वजह से उसे रायपुर रेफर किया गया, जिसके बाद चॉपर की मदद से जवान को रायपुर लाया गया है।

जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राबिंसन गुरिया ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घायल जवान आईटीबीपी की तिरपनवीं बटालियन का है, जो केरल के कोल्लम जिले का रहने वाला है।

आरटीई–सर्वे

शिक्षा का अधिकार अधिनियम–आरटीई में प्रवेश लेने के बाद बच्चों के ड्राप आउट के सही कारणों का पता लगाने के लिए राज्य सरकार ने सर्वे करने का फैसला किया है। यह सर्वे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के माध्यम से कराया जाएगा। प्रत्येक शिक्षक को आरटीई में ड्राप आउट हुए बच्चों के अभिभावकों का मोबाइल नंबर दिया जाएगा। शिक्षक, अभिभावकों से बात कर पता लगाएंगे कि बच्चे स्कूल क्यों नहीं जा रहे हैं। इसके लिए पारिवारिक कारण जिम्मेदार हैं या स्कूल प्रबंधन।

एक दिन पहले ही स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर आरटीई के बच्चों की ड्राप आउट पर रिपोर्ट मांगी है।

गौरतलब है कि प्रदेश में आरटीई के तहत हर साल हजारों गरीब परिवार के बच्चों का निजी स्कूलों में दाखिला होता है। इन बच्चों की पढ़ाई का खर्च सरकार वहन करती है। इसके बावजूद ज्यादातर बच्चे एक या दो साल में पढ़ाई छोड़ देते हैं।

किर्गिस्तान–छात्र

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में स्थानीय लोगों और दूसरे देशों से पढ़ाई करने पहुंचे छात्रों के बीच लड़ाई के बाद लगातार तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। वहां छत्तीसगढ़ के भी कई छात्र फंसे हुए है और वे अपने परिजनों और छत्तीसगढ़ सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

इनमें जांजगीर–चांपा जिले की छात्रा शिवानी तम्बोली से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बात की और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया। छात्रा ने बताया कि जिले के बीस से अधिक छात्र यहां फंसे हुए हैं।

वहीं, एमबीबीएस की पढ़ाई करने किर्गिस्तान गई गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिले की छात्रा आयशा रॉय ने अपने परिजनों को बताया कि वहां के हालात अभी भी तनावपूर्ण है। उन्होंने वीडियो के माध्यम से मुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगाई है।

समर कैम्प

गर्मी की छुट्टियों के दौरान बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए इन दिनों प्रदेशभर के स्कूलों में समर कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत रायगढ जिला प्रशासन द्वारा सौ से अधिक स्कूली बच्चों को स्टील प्लांट और पावर प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान स्कूली बच्चों को स्टील उत्पादन से जुड़े पहलुओं की बारीकी से जानकारी दी गई।

रेलवे–जागरूकता अभियान

समपार फाटकों में होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए बिलासपुर रेलमंडल द्वारा आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। संरक्षा विभाग के सलाहकारों और नागरिक सुरक्षा निरीक्षकों द्वारा बिलासपुर के अमेरी फाटक में पाम्पलेट बांटकर आम लोगों को सुरक्षित फाटक पार करने की जानकारी दी गई। इस दौरान पैदल आने–जाने वाले लोग, मोटरसाइकिल चालक, ट्रक और डंपर चालकों को

सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। वहीं, सेल्फी लेने की वजह से बढ़ रही दुर्घटनाओं के लिए खासतौर पर लोगों से रेल पटरी पर सेल्फी नहीं लेने की अपील भी की गई।

जल जगार उत्सव

जल जगार उत्सव के तहत धमतरी जिले के अंवरी और मुल्ले गांव में जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जलप्रहरी नीरज वानखेड़े ने लोगों को डेमो के माध्यम से रैन वाटर हार्वेस्टिंग, रूफटॉप स्ट्रक्चर और वेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग तैयार करने का तरीका` बताया। साथ ही उन्होंने गांव के पुराने हैण्डपंप में रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाने की विधि का प्रदर्शन भी किया। ग्रामीणों ने गांव में भू–जल स्तर बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। गौरतलब है कि जिले में जल जगार उत्सव पंद्रह जून तक आयोजित किया जाएगा।

सारंगढ़–बिलाईगढ़/प्राचीन मूर्ति

सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिले के गुडीहारी गांव में खेत की जुताई के दौरान प्राचीन मूर्ति मिली है। सूचना मिलने पर सरपंच, सचिव और जनसंपर्क अधिकारी ने मूर्ति का निरीक्षण किया। इसके बाद मामले की जानकारी कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू को दी गई। उन्होंने मूर्ति को सुरक्षित संग्रहालय में रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। किसानों ने बताया कि गांव के खेत से पहले भी मूर्तियां निकल चुकी हैं।

मौसम

मौसम का हाल–

प्रदेश में कल एक–दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने या गरज–चमक के साथ छीटे पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर पश्चिम राजस्थान से बांग्लादेश तक एक द्रोणिका के बनने से हवा में लगातार नमी आ रही है। इसके असर से आगामी चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ स्थानों पर गरज–चमक के साथ अंधड़ चलने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। हालांकि, प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई बदलाव होने के आसार नहीं है।

इस बीच, राजधानी रायपुर, कबीरधाम और राजनांदगांव सहित कई इलाकों में आज दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है।